रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

भाजपा की रणनीति पर अंशुमान का ग्रहण पेज 16

रविवार, 25 मार्च 2012, लखनऊ, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण, वर्ष 3, अंक 13

दांतों का इम्तिहान

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित शुगर फेस्ट-2012 में किसानों को गन्ने की कई नई प्रजातियों की जानकारी देने के साथ-साथ कई रोचक प्रतियोगिताएं भी हुईं। गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में लड़कियों ने इस मुश्किल काम को आसानी से कर दिखाया और इनाम जीता। (खबर पेज 12 पर) ● दिनेश पाण्डेय

दावे के मुताबिक उपज न हो तो मिलेगा मुआवजा

लखनऊ | निज संवाददाता

कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम-2001 किसानों के हित के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत किसान यदि किसी कंपनी या संस्थान से बीज खरीदता है और बताए गए मानक के अनुरूप उपज नहीं मिलती तो किसान कंपनी से शिकायत कर मुआवजा ले सकता है। यह जानकारी कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उप महानिदेशक डॉ जीबी सिंह ने शनिवार को शुगर फेस्ट में आए किसानों को दी।

डॉ सिंह शुगर फेस्ट में आए किसानों को खेती के तरीके और नई तकनीक के बारे में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम-2001 पर किसानों का मार्गदर्शन किया। रजिस्ट्रार तेजवीर सिंह ने बताया कि किसी खास किस्म के पौधे का संरक्षण करने वाले किसान को पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार योजना के तहत प्राधिकरण सम्मानित करने जा रहा है। किसान इसके आवेदन पत्र प्राधिकरण से ले सकता है या फिर संस्थान की वेबसाइट प्लांट एथॉरिटी डॉट जीओवी डॉट इन से डाउनलोड कर सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ एस सोलोमन एवं डॉ एके साह ने कहा कि किसान गन्ने की नई तकनीक का इस्तेमाल कर पैदावार बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम में गन्ना चूसना, कोलाज, मेंहदी, म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता भी हुई। कोलाज में प्रत्युल्य अनजस एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रिशा अनजस का परी का वेश लोगों को पसंद आया।

शुगर फेस्ट 2012

- विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि बीज कंपनी के दावे के मुताबिक उपज नहीं तो करें शिकायत
- कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम-2001 में हैं प्रावधान

प्रतियोगिताओं के विजेता

- गन्ना चूसना-(लड़की वर्ग)- प्रथम आरएन यादव, द्वितीय वीना शर्मा, तृतीय सीमा यादव, - (लड़का वर्ग) प्रथम अनुज, द्वितीय प्रशांत, तृतीय संतोष सिंह
- मेंहदी प्रतियोगिता-प्रथम साक्षी श्रीवास्तव, द्वितीय राधा गुप्ता, तृतीय मुमताज

नई तकनीक से गन्ने की उन्नत फसल

लखनऊ | कुमार संजय

...इन किसानों ने तो कमाल कर दिया। किसी ने गन्ने के साथ आलू पैदा किया तो किसी ने केवल 15 गन्ने के पेड़ से कुंतलों गन्ने का बीज बनाकर किसानों को दिया। ऐसे पांच किसानों की मेहनत को भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद के निदेशक डा. एस सोलोमन सहित कई बड़े लोगों ने सलाम किया। सीतापुर जिले के निवासी शैलेंद्र वर्मा ने गन्ना के साथ आलू पैदा किया इससे आलू की पैदावार डेढ़ गुना बढ़ गयी। बताया कि गन्ने की मेड़ी पर आलू बो दिया। आलू 70 दिन में तैयार हो जाता है। गन्ने का कल्ला जब तक निकलता है तब तक आलू तैयार हो जाता है। आलू के पौधे खेत में ही छोड़ देते हैं, जो बायोमास सड़कर गन्ने की फसल के लिए खाद का काम करता है।

सीतापुर के प्रदीप सिंह संस्थान से प्रजाति 191841 के पांच गन्ने ले गए थे। इसके जरिए अब 2.5 हेक्टेयर पर गन्ने की फसल (बीज) तैयार कर चुके हैं, जिसे दूसरे किसानों में भी बांट रहे हैं। बिहार गोपालगंज के निवासी राजेश सिंह 2005 में गड्ढा बुवाई तकनीक का प्रशिक्षण संस्थान से लिया था, जिस तकनीक से वह गन्ने की बुवाई कर 150 टन गन्ना प्रति हेक्टेयर पैदा कर रहे हैं, जबकि सामान्य तकनीक से 60 से 70 टन गन्ना ही पैदा होता था। इस तकनीक में 105 मीटर की दूरी पर गड्ढा बनाकर गन्ने के बीस बाले डाले जाते हैं।

गन्ना चूसा, खेती सीखी

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में शनिवार को आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

महोत्सव में गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे (फोटो-1), व मेहदी प्रतियोगिता का आनंद लेती युवतियां (फोटो-2)

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। कोई गन्ने चूसने का कॉम्पटीशन कर रहा तो कोई मेहदी लगाने में मगन था। कोई बैलगाड़ी और तांगे की सवारी का आनंद ले रहा तो कोई खेती करने की विधियां सीख रहा था। कुछ ऐसा ही नजारा था शनिवार को राष्ट्रीय गन्ना अनुसंधान केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव-2012 में। शनिवार को संस्थान में बच्चों व किसानों के मनोरंजन कि लिए विभिंन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। बच्चों के लिए गन्ना चूसने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जिसमें भाग ले रहे बच्चों का उत्साह हर्ष देखते ही बन रहा था। महोत्सव परिसर में बच्चों के लिए तांगा एवं बैलगाड़ी द्वारा गन्ना फार्म के भ्रमण की व्यवस्था की गई। जिसमें शहर के बच्चो ने भाग लेकर ग्रामीण जीवन का भरपूर लुत्फ उठाया।

महोत्सव की शाम को मनोरंजक बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ । जिसमें मोहम्मद सआदत हुसैन एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत 'झूम बराबर झूम शराबी' जैसी कव्वालियों की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, साथ ही देर शाम गजल एवं लोक संगीत का भी आयोजन किया गया। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव किसानों के लिए पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम-2001 पर जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक डॉ. जीबी सिंह ने कार्यक्रम में भाग ले रहे तीन सौ किसानों से कहा कि अधिनियम के अधिकारों को जाने और दूसरों में भी इसकी जागरूकता फैलाएं ताकि इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा लोगों को मिल सके। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के अवसर पर निदेशक डॉ. एस सोलोमन ने किसानों को उनके अधिकार एवं गन्ना के नवीन तकनीकों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन को संस्थान द्वारा एक सराहनीय कदम बताया साथ ही महोत्सव परिसर में विभिन्न शोध-कृषि उत्पाद निर्माताओं द्वारा प्रदर्शित तकनीकों के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए।

रजिस्ट्रार तेजवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2011-12 के लिए कृषक समुदाय आधारित कृषि संगठन के लिए पादप जीनोम संरक्षक समुदाय पुरस्कार के लिए 30 मार्च तक आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। जिसमें इस साल दस लाख रुपए की कीमत वाले पांच पुरस्कार दिए जाएंगे। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके शाह ने बताया कि शनिवार को बच्चों को फार्म भ्रमण पर आधारित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन जिसमें बच्चों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। महिलाओं एवं छात्राओं के लिए मेंहदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ।